

# न्यायालय भूमि सुधार उप-समाहर्ता सदर, दरभंगा

## आदेश पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक, 1941 कर नियम 129)

Exp-3/9/13

आदेश पत्रक

वाद संख्या 187 सन् 2013-14

श्री राम प्रवण साह बनाम श्री रामदेव साह

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-सहित
	<p>श्री राम प्रवण साह के स्वतः श्री पंचन साह साह-कटासा थाना-सिंहवाड़ा, जिला-दरभंगा के जिला जन शिक्षायात कोषांग के निबंधन संख्या-1531 दिनांक- 23.05.13 दरभंगा के द्वारा उत्पन्न हुआ है।</p> <p>वादी के परिवार-पक्ष के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि वादी के भूमि को रामदेव साह एवं उनके पुत्र के द्वारा वादी के भूमि को अतिक्रमण कर कब्जा करना चाहते हैं और अतिक्रमण कर पर बनाना चाहते हैं।</p> <p>वादी के परिवार-पक्ष के अवलोकन में वाद को घटियादित किया जाता है।</p> <p>पक्षकार को सूचना निर्गत करें। अभिलेख दिनांक 19.06.13 को रखें।</p> <p>लेखापित</p> <p>श्री राम प्रवण साह सदर, दरभंगा</p> <p>श्री रामदेव साह सदर, दरभंगा।</p>	<p>29-6-13.</p> <p>9-7-13</p> <p>19-7-13</p> <p>30/7/13</p> <p>22-8-13.</p> <p>06/09/13</p> <p>20-9-13.</p> <p>3-10-13</p> <p>28/10/13</p> <p>19/11/13</p> <p>5-12-13.</p>



आदेश की  
कम संख्या  
और तारीख

आदेश और प्रदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पत्र की  
गई का पत्र के  
बारे में टिप्पणी  
तारीख-सहित

30.7.13

वादी की हाजिरी है।

विपक्षी - अनुप।

पूनः दिनांक - 22.8.13 को रखें।

श. प्र. 34. 1111

22/8/13-

वादी की हाजिरी है। तथा आवदन है-

विपक्षी - अनुप।

पूनः दिनांक 6.9.13 को रखें।

श. प्र. 34. 1111

6.9.13.

वादी की हाजिरी है।

विपक्षी - अनुप।

पूनः

अयोध्या जिले के दौरे में भाग लेने गये हैं।  
पूनः दिनांक - 20.9.13 को रखें।

श. प्र. 34. 1111

20.9.13

वादी को हाजिरी है।

विपक्षी - अनुप।

विपक्षी को सूचना निर्गत करें।

अगिले दिनांक 3.10.13 को रखें।

श. प्र. 34. 1111

3.10.13

अवपक्ष - अनुप।

अयोध्या जिले के दौरे में गये हैं।

पूनः दिनांक - 28.10.13 को रखें।

श. प्र. 34. 1111

28.10.13 - वादी  
Ryभी. / अउ. 1

27: रिा 8- 19. 11- 13 को 22वें

2. 2. 34. 00h  
28/10/13

19. 11- 13 अथपथ- अउ. 1

27: रिा 8- 5. 12- 13 को 22वें 1

2. 2. 34. 00h

05. 12- 13 अथपथ- अउ. 1

अगिले 24 को अवलोडन किया। अवलोडन बले से यह  
जात हुआ कि वादी/विगत कई विधियों से लगातार अउपलब्ध  
रहे हैं इससे यह स्पष्ट होता है कि वादी को इस वाद की  
कारवाही में कोई रुचि नहीं है।  
कम! इस वाद की कारवाही से समाप्त

किया जाता है।

28/12/13  
अभि दुषा 34. 100000  
74 ( 10000 )